

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेल्कम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 272

रविवार, 11 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

अब अजिंक्य शिंदे लीड करेगा...अभिजीत दीपके ने पहले से ही तैयार कर रखा था बैकअप प्लान

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाट प्लेस के आउटर सर्कल में तनाव और सरगमी बढ़ चुकी है। सीजेपी के संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे आउटर सर्कल स्थित छकड बिल्डिंग के पास से विरोध प्रदर्शन की कमान संभालने जा रहे हैं। अभिजीत दीपके की गिरफ्तारी के बाद अब उनका एक प्री रिकॉर्डेड वीडियो सामने आया है।

इस वीडियो में दीपके ये कहते नजर आ रहे हैं कि अब आंदोलन की कमान अजिंक्य शिंदे के हाथों में होगी। उन्होंने अपने वीडियो में कहा कि अगर आप यह वीडियो देख रहे हैं, तो इसका मतलब है कि मुझे, सौरव और आशु को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक प्री-रिकॉर्डेड वीडियो ने सनसनी मचा दी है। अभिजीत दीपके के इस ऐलान के साथ ही साफ हो गया है कि आंदोलन थमने वाला नहीं हमारे बाद अब इस विरोध की कमान अजिंक्य संभालेंगे।



दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के इंतजाम किए

दिल्ली पुलिस ने विरोध-प्रदर्शन से पहले सुरक्षा के कई इंतजाम किए हैं। इनमें बाजार और अहम मेट्रो स्टेशन बंद करना, राजधानी आने वाली दर्जनों ट्रेनों रद्द करना और शहर के कुछ हिस्सों में इंटरनेट पर रोक लगाना शामिल है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे दिल्ली पुलिस के साथ तालमेल

बिठाएं और प्रदर्शनकारियों को दिल्ली की ओर बढ़ने से रोकने के लिए कदम उठाएं।

CJP का कहना है कि अभिजीत डिपके को उनके वकीलों से मिलने नहीं दिया जा रहा है

काँकरोच जनता पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली के इंद्रिया गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हिरासत में लिए जाने के बाद, पार्टी के फाउंडर

सीईसी के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश, 3000 लोग दिल्ली पुलिस की हिरासत में

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश कर रहे लगभग 3000 प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को हिरासत में ले लिया। सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को नयी दिल्ली इलाके और अन्य जिलों से हिरासत में लिया गया। पुलिस प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। प्रदर्शनकारियों को रीगल सिमना के पास, मिटो ब्रिज और आकाशवाणी भवन के पास सहित कई स्थानों से हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जंतर मंतर



पर काँजपा के प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले एहतियाती उपायों के तहत राष्ट्रीय राजधानी के सभी जिलों से आपराधिक रिकॉर्ड वाले 600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग प्रस्तावित प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति न

पैदा करें। सूत्रों के अनुसार, पुलिस कुछ ऐसे लोगों की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रख रही है, जो प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लोगों को जुटा सकते हैं या उन्हें इसमें शामिल होने के लिए प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा उपायों के तहत ऐसे लोगों के घरों के बाहर निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

अभिजीत डिपके और सदस्य सौरव दास और आशुतोष रंका को किसी अज्ञात जगह पर ले जाया गया।

सीजेपी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, उन्हें अपने वकीलों से मिलने नहीं दिया जा रहा है और बाकी लोगों से

'भारत कोई बनाना रिपब्लिक नहीं है', विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई के बीच बीजेपी का कांग्रेस और सीजेपी पर हमला

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित चुनावी धांधली और स्पेशल इंटेसिव रिविजन (रक्म) के खिलाफ काँकरोच जनता पार्टी और विपक्षी दलों के प्रदर्शनों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बाद भारतीय जनता पार्टी ने इसे जनता की जीत करार दिया है। बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीजेपी और विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी दलों और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि देश में अराजकता फैलाने की कोशिशों को भारतीय लोकतंत्र ने पूरी तरह नाकाम कर दिया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, भारत कोई 'बनाना रिपब्लिक' नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह देश कभी नहीं झुका है और न



ही कभी झुकेगा। उन्होंने वोटर लिस्ट के एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का बचाव किया, जिनके इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दल विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार दिनों के घटनाक्रम से दो बातें पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी हैं। भारतीय लोकतंत्र ने देश में अराजकता पैदा करने की हर साजिश को ध्वस्त कर दिया है। यह देश संसद और संवैधानिक व्यवस्थाओं से चलेगा, सड़कों के ड्रामे से नहीं।

'कायरता इनकी पहचान', राहुल गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा प्रहार, कहा- हिंदुस्तान के युवाओं पर मुझे गर्व, हम आपके साथ

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा हमला किया। उन्होंने उन पर कायरता का आरोप लगाया और कहा कि विपक्ष संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगा। पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि वह एक दशक से ज्यादा समय से मोदी और RSS से लड़ रहे हैं और दावा किया कि सत्ताधारी खेमा लगातार दबाव में आ रहा है। राहुल ने लिखा कि मैं नरेंद्र मोदी, पर और इनसे जुड़े लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहा हूँ। मैं अपने विरोधियों को उतनी अच्छी तरह समझता हूँ, जितना कोई भी अपने प्रतिद्वंद्वी को समझता है। मैं इन्हें अंदर तक जानता हूँ, इनकी हर चाल से वाकिफ हूँ। इन लोगों की सबसे बड़ी पहचान है - कायरता। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत,



ज्ञानेश कुमार, अजीत डोभाल - इस कहानी के खलनायक - अब धीरे-धीरे घिरते जा रहे हैं। इनके चारों तरफ से दायरा सिमट रहा है। जो करना है, कर लीजिए। जितनी पुलिस बुलाई है, बुला लीजिए - 10 हजार, 20 हजार, 50 हजार, जितनी चाहे बुला लीजिए।

राहुल ने आगे कहा कि सारे नेताओं को गिरफ्तार कर लीजिए। सारे युवाओं को गिरफ्तार कर लीजिए। हम सबको गिरफ्तार कर लीजिए। घबराइये मत - हम आपको चारों तरफ से घेर रहे हैं,

और हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। मेरी बात याद रखिए - हमें जो जानकारी चाहिए, वह हमारे पास पहले से है। हम अपने संविधान की रक्षा करेंगे। हम हिंदुस्तान की जनता की आवाज की हिफाजत करेंगे। और हम वह सुनिश्चित करेंगे कि पिछले 10-15 सालों में हिंदुस्तान के साथ जो हुआ है, वह दोबारा कभी, किसी भी सुरत में न हो। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के युवाओं, मुझे आप पर गर्व है। अपना विरोध जारी रखिए। हम आपके साथ खड़े हैं। हम वह सुनिश्चित करेंगे कि इस सरकार और हमारे संविधान पर हमला करने वालों को शिकस्त मिले। ये टिप्पणियां विपक्षी दलों और काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अस्थास को लेकर बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच आई हैं।

मुंबई में तुषार गांधी और इमरान खान समेत 600 प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए



वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। पुलिस ने शनिवार को काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के नयी दिल्ली में प्रदर्शन के समर्थन में मुंबई में बिना इजाजत विभिन्न स्थानों पर विरोध-प्रदर्शन के आरोप में सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी, अभिनेता इमरान खान और माकपा कार्यकर्ताओं समेत करीब 600 लोगों को हिरासत में लिया। कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर उनके साथ धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाया। महानगर में अगस्त क्रांति मैदान, हुतात्मा चौक और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के कई कार्यकर्ताओं ने दक्षिण मुंबई के हुतात्मा चौक पर प्रदर्शन किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तुषार गांधी के नेतृत्व वाले 'हम भारत के

लोग' संगठन के सदस्यों और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत सैकड़ों लोग बिना अनुमति के अगस्त क्रांति मैदान में एकत्र हुए थे। इनमें से करीब 200 लोगों को प्रदर्शन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। अधिकारी ने कहा, "शहर के विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर करीब 600 लोगों को हिरासत में लिया गया।" प्रदर्शनकारियों में शामिल रूबैद भोजानी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को "बहुत बेरहमी से" हिरासत में लिया। भोजानी ने कहा, "हमने प्रधानमंत्री को वोट दिया था, लेकिन उन्होंने हमें धोखा दिया। हम मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हैं।" दक्षिण मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों में अभिनेता इमरान खान भी शामिल थे।

सीजेपी के बाद अब इंडिया गठबंधन की बारी, दिल्ली में 12 अक्टूबर को बड़े विरोध प्रदर्शन का ऐलान

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। AICC के जनरल सेक्रेटरी के.सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि लोगों के वोटिंग अधिकारों की रक्षा के लिए जारी लड़ाई के तहत INDIA ब्लॉक सोमवार को दिल्ली में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगा। INDIA ब्लॉक के नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की और वोट चोरी के अपने दावों का मुद्दा उठाया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और पिछले दो सालों में हुए सभी विधानसभा चुनावों को रद्द करने की मांग की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें इस बात से हैरानी हुई कि राष्ट्रपति ने चुनाव में चोरी के आरोप का खंडन नहीं किया।

राहुल का कहना है कि विपक्ष के नेता सोमवार को उखकसे मिलेंगे

बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष के नेता सोमवार को सुप्रीम कोर्ट जाकर चीफ जस्टिस से मिलेंगे और उन्हें एक जापन भी सौंपेंगे, क्योंकि वे सभी उपलब्ध विकल्पों का इस्तेमाल करना चाहते हैं। INDIA ब्लॉक के



नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और कथित वोट चोरी के बारे में उन्हें एक जापन सौंपा। साथ ही, उन्होंने स्पेशल इंटेसिव रिविजन को रोकने और वोटर लिस्ट से गैर-कानूनी तरीके से हटाए गए 13.3 करोड़ वोटरों के नाम वापस जोड़ने की मांग की।

विपक्ष ने CEC और एउर को आजीवन सुरक्षा देने वाले 2023 के कानून को रद्द करने की मांग की

राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपे गए जापन में विपक्षी दलों ने एउए और एउर को आजीवन सुरक्षा देने वाले 2023 के कानून को रद्द करने और भविष्य के सभी चुनावों में पेपर बैलेट व्यवस्था को फिर से लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा

कि राष्ट्रपति मुर्मू ने नेताओं से 'वोट चोरी' का सबूत मांगा था। जब वह सबूत लेने के लिए तैयार होंगे, तो INDIA ब्लॉक उन्हें अपने पास मौजूद सबूत सौंप देगा। यह बात राहुल गांधी ने पत्रकारों को बताया। इस प्रतिनिधिमंडल में राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, TMC प्रमुख ममता बनर्जी, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, NCP(SP) की सुप्रिया सुले, रठ के राजीव राय, फख्रुके मनोज झा, शउड प्रमुख थोल. थिरुमावलवन, CPI(M) के महासचिव एम.ए. बेबी और CPI के डी. राजा शामिल थे। यह आरोप लगाते हुए कि वोट चोरी ने लोकतंत्र की नींव को ही खत्म कर दिया है, उन्होंने कहा कि उनके पास इस बात के पक्के सबूत हैं कि एक के बाद एक चुनावों में वोट चोरी हुई है। उन्होंने इसके लिए हरियाणा, महाराष्ट्र, MP,

छत्तीसगढ़, बिहार, दिल्ली और पश्चिम बंगाल का उदाहरण दिया। ध्यान देने वाली बात है कि INDIA गठबंधन के सांसद पहले संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में मिले, जहाँ उन्होंने राष्ट्रपति को सौंपे जाने वाले जापन पर चर्चा की और उसे अंतिम रूप दिया। इसके बाद वे संसद भवन से विजय चौक की ओर बढ़े, जहाँ पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। उनके पास 'लोकतंत्र बचाओ' का एक बड़ा बैनर था और उन्होंने सरकार, प्रधानमंत्री और CEC के खिलाफ नारे लगाए।

सोमवार को INDIA गठबंधन के मार्च में शामिल होंगी ममता बनर्जी
ममता बनर्जी ने कहा, 'हमारे 4 सांसदों के साथ, हमने द्वारा नॉर्थ पुलिस स्टेशन में धरना शुरू कर दिया है, जहाँ हमें लाया गया है। हमें अगवा कर लिया गया और दो घंटे तक जेल वैन में घुमाया गया। मैं आज रात कोलकाता नहीं लौट रही हूँ और युवाओं और अन्य लोगों के खिलाफ जो कुछ भी हो रहा है, उसके विरोध में मैं सोमवार को I.N.D.I.A गठबंधन के मार्च में शामिल होऊँगी।

क्या आपको सिस्टम या नतीजों पर शक है? 124 पूर्व आईएसएस, आईपीएस अधिकारियों ने जारी किया ओपन लेटर



वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कुल 124 पूर्व कंअर, कन्नड और संबंधित सेवाओं के अधिकारियों ने भारत के नागरिकों को एक खुला पत्र लिखा। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन का पुरजोर बचाव किया और बिना ठोस सबूत के वोट में धांधली के आरोपों पर सवाल उठाए। बृथ कैप्चरिंग, बैलेट बॉक्स में फजी वोट भरने और चुनावी हिसा के दौर से भारत के बदलाव का जिक्र करते हुए, अधिकारियों ने खुले पत्र में कहा कि आज की चुनावी व्यवस्था में कई स्तरों पर जांच और सुरक्षा उपाय मौजूद हैं, जिनमें पोलिंग एजेंट, एश्ट सीलिंग, स्ट्रॉन्ग-रूम की सुरक्षा और VVPAT वेरिफिकेशन शामिल हैं। अधिकारियों का कहना

है कि कोई सिस्टम ऐसा नहीं हो सकता जो आपके जीतने पर तो ईमानदार हो और हारने पर धांधली वाला। उन्होंने बिहार के 2025 के विधानसभा चुनावों का उदाहरण दिया, जिनमें देवबारा वोटिंग नहीं हुई और 1951 के बाद सबसे ज्यादा वोटिंग हुई। अधिकारियों ने कहा, 'कोई सिस्टम ऐसा नहीं हो सकता जो आपके जीतने पर तो ईमानदार हो और हारने पर धांधली वाला।' उन्होंने बताया कि इसी चुनाव आयोग के तहत केंद्र में सत्ताधारी पार्टी कई राज्यों के चुनाव हार चुकी है। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्वल और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी आर.डी. कपूर, समीरेंद्र चटर्जी, गोपाल कृष्ण, विवेक भारद्वाज और नवनीत सहगल शामिल हैं।

मणिपुर के कामजोंग और उखरुल में सशस्त्र समूहों के बीच झड़प, पांच लोगों की मौत



दौरान 10 घरों में आगजनी की गई। जिले के अधिकारियों ने हिसा को और फैलने से रोकने के लिए चसाद पुलिस गेट चौराहे के 400 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 162 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में, संदिग्ध उपद्रादियों ने म्यांमा सीमा के पास तंगकुल नगा समुदाय की बस्ती वाले कामजोंग के निंगवो गांव में घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी।

उन्होंने बताया कि इस घटना में नगाचांसो निंगशेन (35) और लीशिशां लीशादांग (48) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद सुरक्षा बल ने गांव में पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय ग्रामीणों ने दावा किया कि हमलावर गोलीबारी करने के बाद म्यांमा सीमा की ओर भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए कामजोंग जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

'कोर्ट के आदेश के बाद भी दिल्ली में बंद रहे मेट्रो स्टेशन', सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर



वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के चलते राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद ऐसा होने से मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई है। बता दें कि यह याचिका अधिकता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है, जिसमें केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य को पक्षकार बनाया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि शीर्ष अदालत के 9 अक्टूबर के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो स्टेशनों के

बंद रखने का सिलसिला जारी रखा, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि इससे पहले यानी 9 अक्टूबर शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ CJP के प्रदर्शनों को देखते हुए 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और दिल्ली आने वाली ट्रेनों को रद्द करने के खिलाफ दायर एक अन्य याचिका पर सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयिमल्ल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहा की बेंच ने केंद्र को कड़ा निर्देश दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रदर्शन के कारण 10 अक्टूबर को दिल्ली आने वाली मेट्रो और ट्रेनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं होना चाहिए, क्योंकि इस तरह सब कुछ ठप नहीं किया जा सकता।

संपादक की कलम



महँगाई की आग और रेपो रेट का ब्रेक

महँगाई किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए केवल बढ़ती कीमतों का सवाल नहीं है, बल्कि यह आम नागरिक की क़य़श्चि, बचत, निवेश और जीवन-स्तर को सीधे प्रभावित करती है। जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो सामान आग में परिवार पहले की तुलना में कम वस्तुएँ ख़रीद पाते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास के बीच संतुलन



ललित शर्मा
संपादक

बनाए रखने की होती है। इसी उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर रेपो रेट में बदलाव करता है। रेपो रेट वह दर है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक धन उपलब्ध कराता है। जब आरबीआई रेपो रेट बढ़ाता है, तो बैंकों के लिए केंद्रीय बैंक से धन लेना महँगा हो जाता है। इसका असर धीरे-धीरे बैंक ऋण की ब्याज दरों पर पड़ता है और घरों तथा व्यवसायों के लिए कर्ज लेना महँगा हो सकता है। यही प्रक्रिया अर्थव्यवस्था में माँग को नियंत्रित करने और माँग-जनित महँगाई को कम करने में मदद करती है। रेपो रेट बढ़ने का सबसे सीधा प्रभाव ऋण की लागत पर पड़ता है। यदि गृह ऋण, वाहन ऋण या व्यक्तिगत ऋण महँगे होते हैं, तो उपभोक्ता नए कर्ज लेने या बड़ी ख़रीदारी करने से बच सकते हैं। मौजूदा ऋण लेने वालों की ईएमआई भी बढ़ सकती है, जिससे उनकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में चला जाता है। परिणामस्वरूप उनके पास गैर-ज़रूरी वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करने के लिए कम धन बचता है। उपभोग में यह कमी कुल माँग को नियंत्रित करती है और माँग के अत्यधिक दबाव से पैदा होने वाली महँगाई को कम करने में मदद करती है। इसका प्रभाव केवल परिवारों तक सीमित नहीं रहता। कंपनियों भी बैंक ऋण के माध्यम से नए कारख़ाने, मशीनरी, भवन और कारोबारी परियोजनाएँ शुरू करती हैं। ब्याज दर बढ़ने पर परियोजनाओं की वित्तीय लागत बढ़ जाती है। कई कंपनियाँ ऐसे निवेश को कुछ समय के लिए टाल सकती हैं, जिनसे अपेक्षित लाभ ब्याज लागत की तुलना में कम हो। इससे अत्यधिक आर्थिक गतिविधि पर कुछ नियंत्रण आता है और अर्थव्यवस्था में माँग का दबाव कम हो सकता है। रेपो रेट का एक महत्वपूर्ण प्रभाव बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि पर भी पड़ता है। महँगे ऋण के कारण बैंक ऋण की माँग घट सकती है। यदि अर्थव्यवस्था में कर्ज बहुत तेज़ी से बढ़ रहा हो और उसके कारण उपभोग तथा निवेश असामान्य रूप से बढ़ रहे हों, तो मौद्रिक सख्ती उस गति को संतुलित करने का काम करती है। महँगाई केवल वर्तमान कीमतों का विषय नहीं है; भविष्य में कीमतें कितनी बढ़ेंगी, इसकी लोगों की धारणा भी महत्वपूर्ण होती है। जब आरबीआई महँगाई के दबाव के बीच रेपो रेट बढ़ाता है, तो वह बाज़ार को यह संकेत देता है कि केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता दे रहा है। इससे महँगाई की अपेक्षाओं को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। यदि व्यवसायों और उपभोक्ताओं को विश्वास हो कि केंद्रीय बैंक कीमतों को अनियंत्रित नहीं होने देगा, तो वे भविष्य की कीमतों और मजदूरी को लेकर अत्यधिक मुद्दास्पीतिकारी निर्णय लेने से बच सकते हैं। रेपो रेट में बढ़ोतरी का एक अन्य संभावित प्रभाव रुपये की विनिमय दर पर पड़ सकता है। अपेक्षाकृत ऊँची घरेलू ब्याज दरें विदेशी परिसंपत्तियों को अधिक आकर्षक बना सकती हैं और पूँजी प्रवाह को समर्थन मिल सकता है। इससे रुपये पर अत्यधिक अवमूल्यन का दबाव कम हो सकता है। भारत कच्चे तेल सहित कई महत्वपूर्ण वस्तुओं का आयात करता है। रुपये की कमजोरी से आयात महँगा होता है और इससे आयातित महँगाई बढ़ सकती है। इसलिए विनिमय दर में स्थिरता भी महँगाई नियंत्रण में अप्रत्यक्ष भूमिका निभा सकती है। हालाँकि, रेपो रेट बढ़ाना कोई ऐसा उपाय नहीं है जिसका अर्थव्यवस्था पर केवल सकारात्मक प्रभाव पड़े। इसका सबसे बड़ा जोखिम आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

अच्छे विचार,मधुर वाणी

उदय कशोर साह

कविता



अच्छा सोचिए,अच्छे विचारों से मन सजाइए,
मीठे बोलों से हर दिल में जगह बनाइए,
शब्दों में रखिए प्रेम,व्यवहार में सम्मान,
आपकी वाणी से महक उठे किसी का जहान।

कभी एक मीठा शब्द,टूटे दिल को जोड़ देता है,
कभी छोटा- सा अपनापन,उदास चेहरा मोड़ देता है,
एक अच्छी बात,किसी की उम्मीद जगा सकती है,
बुझती हुई खुशियों में फिर नई रोशनी ला सकती है।

नफरत के बदले प्रेम का पैगाम दीजिए,
रूठे हुए चेहरों को मुस्कान का नाम दीजिए,
ऐसे बोल बोलिए,जो दिलों में उतर जाएँ,
शब्द किसी के जीवन में बहार लाएँ।

किसी की उदासी में मुस्कुराहट बन जाइए,
किसी की निराशा में नई हिम्मत जगाइए,
क्या पता आपकी बात कितना सुकून दे जाए,
किसी का बिगड़ा हुआ दिन भी सँवर जाए।

अच्छा सोचिए,क्योंकि विचार ही पहचान हैं,
अच्छा बोलिए,क्योंकि शब्दों में अरमान हैं,
किशान एक अच्छी बात किसी का दिन बदल सकती है,
प्रेम से कही बात,किसी की दुनिया सँवर सकती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया।
|संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सीखने की जिज्ञासा: प्रगति का असली विज्ञान



डॉ विजय गर्ग

लेखक

प्रगति केवल मेहनत, बुद्धिमत्ता या अवसरों का परिणाम नहीं है। इसके मूल में मनुष्य का एक शक्तिशाली गुण छिपा है—सीखने की जिज्ञासा। अज्ञान को समझने, प्रश्न पूछने, नए विचारों को खोजने और अपने ज्ञान को बेहतर बनाने की इच्छा ही मानव सभ्यता की विकास यात्रा की प्रमुख प्रेरक शक्ति रही है। आग की खोज से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास तक, हर बड़ी उपलब्धि के पीछे कोई प्रश्न और उसका उत्तर खोजने का प्रयास रहा है।

सीखना केवल जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया नहीं है। यह खोज की एक निरंतर यात्रा है, जो हमारी सोच को बदलती है, हमारी क्षमताओं को मजबूत करती है और बदलती दुनिया के अनुरूप ढलने में हमारी सहायता करती है। जो व्यक्ति जिज्ञासु बना रहता है, उसका विकास कभी नहीं रुकता, क्योंकि उसके लिए प्रत्येक अनुभव कुछ नया सीखने का अवसर होता है।

जिज्ञासा: ज्ञान की शुरुआत

हर बच्चा दुनिया में स्वाभाविक जिज्ञासा के साथ आता है। वह अनगिनत प्रश्न पूछता है—आकाश नीला क्यों है? पक्षी कैसे उड़ते हैं? चंद्रमा का आकार क्यों बदलता दिखाई देता है? ये प्रश्न साधारण लग सकते हैं, लेकिन इनमें वैज्ञानिक सोच की मूल भावना छिपी होती है। दुर्भाग्यवश, उम्र बढ़ने के साथ अनेक लोग प्रश्न पूछने में संकोच करने लगते हैं। आलोचना का डर, परीक्षा का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और स्वयं को अधिक ज्ञानी दिखाने की इच्छा धीरे-धीरे उनकी जिज्ञासा को कमजोर कर सकती हैं। कुछ लोग मानते हैं कि प्रश्न पूछना अज्ञान का संकेत है। वास्तव में, विचारपूर्ण प्रश्न पूछना सक्रिय और स्वतंत्र मस्तिष्क की पहचान है।विज्ञान इसलिए आगे बढ़ता है क्योंकि वैज्ञानिक किसी भी व्याख्या को बिना जाँच-पड़ताल के स्वीकार नहीं करते। वे अवलोकन करते हैं, प्रश्न उठाते हैं, प्रयोग करते हैं और प्रमाणों का मूल्यांकन करते हैं। इसी प्रकार, विद्यार्थी और पेशेवर भी तब वास्तविक प्रगति करते हैं, जब वे तथ्यों को यांत्रिक ढंग से याद करने के बजाय प्रश्न पूछने, खोज करने और जानकारी की सत्यता जाँचने की आदत विकसित करते हैं।जिज्ञासा ज्ञान का द्वार खोलती है, जबकि आलोचनात्मक चिंतन हमें



विश्वसनीय जानकारी और भ्रामक दावों के बीच अंतर करना सिखाता है।

सीखना जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है

शिक्षा विद्यालय, महाविद्यालय या डिग्री प्राप्त करने के साथ समाप्त नहीं होती। औपचारिक शिक्षा ज्ञान की नींव तैयार करती है, लेकिन आजीवन सीखने की प्रवृत्ति व्यक्ति को जीवनभर प्रासंगिक, आत्मविश्वासी और सक्षम बनाए रखती है। दुनिया तेज़ी से बदल रही है। नई तकनीकें कार्यस्थलों का स्वरूप बदल रही हैं, वैज्ञानिक खोजें प्रकृति के प्रति हमारी समझ को नया रूप दे रही हैं और सामाजिक परिवर्तन नई चुनौतियाँ पैदा कर रहे हैं। जो ज्ञान कल पर्याप्त था, वह आज या कल अपर्याप्त हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में सीखने की इच्छा, केवल जानकारी याद रखने की क्षमता

जेपी की संपूर्ण क्रांति: राजनीति को नई दिशा देने का मंत्र



ललित गर्ग

लेखक

भारत के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने समय की सीमाओं को लांघकर आने वाली पीढ़ियों के लिए विचार, आदर्श और प्रेरणा के शाश्वत स्रोत बन जाते हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ऐसे ही महान जननायक थे, जिन्होंने सत्ता के शिखरों पर पहुँचने की अपेक्षा जनसेवा के रास्ते पर चलना पसंद किया। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में विदेशी सत्ता को चुनौती दी और स्वतंत्र भारत में जब सत्ता निरंकुशता, भ्रष्टाचार तथा लोकातांत्रिक मूल्यों के क्षरण की ओर बढ़ती दिखाई दी, तब उसके विरुद्ध जनचेतना का शंखनाद किया। उनका जीवन इस सत्ता का प्रमाण है कि राजनीति की वास्तविक शक्ति पद, प्रतिष्ठा और सत्ता में नहीं, बल्कि नैतिक साहस, जनविश्वास और सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित होती है। आज जब भारतीय राजनीति में सत्ता की आकांक्षा, आरोप-प्रत्यारोप और विरोध के लिए विरोध की प्रवृत्ति दिखाई देती है, तब जयप्रकाश नारायण



लोकतंत्र की वास्तविक सार्थकता तब है, जब नागरिकों को न्याय मिले, शासन पारदर्शी हो, सत्ता जनहित के प्रति उत्तरदायी रहे और आम आदमी की आवाज का सम्मान किया जाए। वे राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की सीढ़ी नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम मानते थे। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन भी केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने राजनीतिक व्यवस्था की नैतिकता पर व्यापक बहस को जन्म दिया। सन्-1974 में बिहार से आरंभ हुआ उनका संपूर्ण क्रांति आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का निर्णायक अध्याय बना। भ्रष्टाचार, महँगाई, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के विरुद्ध उठी युवाओं की आवाज को उन्होंने व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का स्वर दिया। 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू होने के बाद लोकतांत्रिक

अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं पर लगे प्रतिबंधों के विरुद्ध उनका संघर्ष और अधिक प्रासंगिक हो गया। वे स्वयं गिरफ्तार किए गए, लेकिन उनका विचार और लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जनमानस में जीवित रही। वर्ष 1977 में जनता पार्टी की जीत और केंद्र में पहली गैर-कॉंग्रेसी सरकार के गठन में उनकी निर्णायक भूमिका रही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि संगठित जनशक्ति और नैतिक नेतृत्व के सामने बड़ी से बड़ी सत्ता की चुनौती दी जा सकती है। हालांकि, उनका सपना केवल एक सरकार को हटाना नहीं, बल्कि ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करना था, जिसमें सत्ता सेवा का पर्याय बने। संपूर्ण क्रांति का दर्शन उनकी दूरदर्शिता का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। वे राजनीतिक परिवर्तन को व्यापक सामाजिक पुनर्निर्माण से जोड़ते थे। उनकी संपूर्ण क्रांति के सात आयाम थे-राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,

नाना पाटेकर: अभिनय का ऐसा योद्धा, जिसने किरदारों में अपनी आत्मा उड़ेल दी



वीरेंद्र बहादुर सिंह

लेखक

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें पदें पर देखते ही उनकी मौजूदगी का अहसास हो जाता है। उनकी आवाज, आंखों की चमक, चेहरे के बदलते भाव और संवाद बोलने का अंदाज़ ही उनकी पहचान बन जाता है। नाना पाटेकर ऐसे ही कलाकारों में शुमार हैं। उन्होंने नायक, खलनायक, पुलिस अधिकारी, क्रांतिकारी और हास्य कलाकार जैसे अनेक किरदार निभाए, लेकिन हर भूमिका में उनकी अपनी एक विशिष्ट छाप दिखाई दी।

नाना की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने अभिनय को केवल ग्लैमर या लोकप्रियता हासिल करने का माध्यम नहीं बनाया। उनके लिए अभिनय अपने भीतर के भावों को अभिव्यक्त करने की कला था। वह

आवश्यक नहीं है।

सीखने की इच्छा के पीछे का विज्ञान

जिज्ञासा का मानव मस्तिष्क से गहरा संबंध है। जब हम किसी अपरिचित विषय का सामना करते हैं, तो हमारा मस्तिष्क जानकारी प्राप्त करने और अनिश्चिता को दूर करने के लिए प्रेरित होता है। ध्यान, स्मृति और तर्कशक्ति मिलकर नए अनुभवों को समझने में हमारी सहायता करते हैं।

जब व्यक्ति सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेता है, तो सीखना अधिक प्रभावी हो सकता है। प्रश्न पूछना, समस्याओं को हल करना, विचारों पर चर्चा करना, प्रयोग करना और नई जानकारी को पुराने ज्ञान से जोड़ना, केवल रटने की तुलना में अधिक गहरी समझ विकसित करने में सहायक होता है। गलतियाँ भी सीखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जब कोई उत्तर गलत सिद्ध होता है, तो सीखने वाले को अपनी धारणाओं पर पुनर्विचार करने और समझ को बेहतर बनाने का अवसर मिलता है। वैज्ञानिक अनुसंधान में यह प्रक्रिया विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि असफल प्रयोग भी उपयोगी जानकारी दे सकते हैं और आगे की खोजों को दिशा प्रदान कर सकते हैं। हालाँकि, जिज्ञासा के साथ अनुरासन भी आवश्यक है। रफ़ि सीखने की शुरुआत कराती है, जबकि

नियमित अभ्यास, धैर्य और आत्मचिंतन हमें किसी विषय में दक्षता प्राप्त करने में मदद करते हैं। वास्तविक प्रगति तब होती है, जब जिज्ञासा और निरंतर प्रयास एक साथ चलते हैं।

असफलता: एक अन्य शिक्षक

सीखने के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक असफलता का डर है। विद्यार्थी कम अंक आने की आशंका से कठिन प्रश्नों से बच सकते हैं। कर्मचारी अस्वीकृति के डर से नए विचार प्रस्तुत करने में संकोच कर सकते हैं। वैज्ञानिक थोब निराश हो सकते हैं, जब उनके प्रयोग अपेक्षित परिणाम नहीं देते। लेकिन असफलता हमेशा प्रगति की विरोधी नहीं होती। यदि उसका ईमानदारी से विश्लेषण किया जाए, तो वह मूल्यवान प्रतिक्रिया प्रदान कर सकती है। थॉमस एडिसन का नाम व्यावहारिक विद्युत प्रकाश व्यवस्था के विकास में उनके निरंतर प्रयोगों के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। उनका कार्य बार-बार परीक्षण करने, कठिनाइयों से सीखने और विचारों में सुधार करने के महत्त्व को दर्शाता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि प्रत्येक असफलता अपने आप सफलता में बदल जाती है। वास्तविक प्रगति तब संभव होती है, जब हम अपनी गलतियों का विश्लेषण करते हैं, उनके कारणों को पहचानते हैं और सोच-समझकर सुधार करते हैं।

बौद्धिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक। इनका उद्देश्य केवल शासन की संरचना बदलना नहीं, बल्कि मनुष्य की सोच, व्यवहार और जीवनमूल्यों में परिवर्तन लाना था। वे जानते थे कि भ्रष्टाचार केवल सरकार कार्यालयों में नहीं पनपता, उसकी जड़ें व्यक्ति की लालचपूर्ण मानसिकता में भी होती हैं। सामाजिक असमानता केवल कानून बनाने से समाप्त नहीं होती, उसके लिए समाज की चेतना में समानता और संवेदनशीलता का विकास भी ज़रूरी है। इसी तरह शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विवेकशील, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक तैयार करना भी है। इस दृष्टि से संपूर्ण क्रांति आज भी एक प्रासंगिक विचार है। उसका पहला संदेश है कि व्यवस्था परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति के आत्मपरिवर्तन से होनी चाहिए। जब तक राजनीतिक नेतृत्व अपने आचरण में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं अपनाएगा, तब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकते। दूसरा संदेश है कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका रचनात्मक होनी चाहिए। सत्ता का दायित्व विमर्श, सुशासन और जनकल्याण सुनिश्चित करना है, जबकि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की गलतियों को उजागर करने के साथ-साथ बेहतर नीतियों और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना भी है। केवल विरोध करना विपक्ष की सक्रियता का प्रमाण नहीं हो सकता। उसे यह बताना होगा कि वह देश की अर्थव्यवस्था,

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सामाजिक समरसता के लिए कौन-सी वैकल्पिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी भूमिका को केवल सत्ता प्राप्त करने की आकांक्षा तक सीमित न रखे। यदि विपक्ष का समूचा विमर्श आरोपों, व्यक्तिगत आक्षेपों और राजनीतिक विरोध तक सिमट जाता है, तो वह जनता के विश्वास को मजबूत करने के बजाय कमजोर करता है। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन की संभावना जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है कि जनता के सामने विश्वसनीय विकल्प भी मौजूद हो। जयप्रकाश नारायण ने तत्कालीन सत्ता को चुनौती इसलिए दी थी कि उन्हें व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता महसूस हुई थी। उनके आंदोलन के केंद्र में भ्रष्टाचार, नागरिक अधिकार, लोकतांत्रिक मर्यादों और जनहित के प्रश्न थे। आज उनके नाम और नारों का उपयोग करने वाले राजनीतिक दलों को भी अपने आचरण की कसौटी इन्हीं मूल्यों को बनाना चाहिए। यह अपेक्षा केवल विपक्ष से नहीं, सत्तारूढ़ दलों और समूचे राजनीतिक वर्ग से है। लोकनायक का एक और महत्वपूर्ण संदेश सत्ता के विकेंद्रीकरण और जनभागीदारी से संबंधित है। वे चाहते थे कि लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित न रहे, बल्कि ग्रामसभाओं, स्थानीय संस्थाओं और सामान्य नागरिकों के जीवन में भी उसकी सक्रिय उपस्थिति हो।

थे कि अभिनय का मूल्य चेहरे की खूबसूरती या पर्दे पर नायक की तरह दिखाई देने में नहीं, बल्कि दर्शकों के मन में उतर जाने में है।

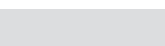
'परिदा' ने बदली पहचान

1989 में प्रदर्शित फिल्म 'परिदा' नाना पाटेकर के कैरियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है। इसमें उन्होंने अनना नामक खतरनाक और क्रूर व्यक्ति का किरदार निभाया। उनके अभिनय में हिंसा, सनक और मानसिक बेचैनी का ऐसा मिश्रण था कि दर्शक उस पात्र से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। यह सम्मान उनके अभिनय कौशल को बड़ी पहचान बना। इसके बाद 'प्रहार: द फाइनल अटैक', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'अग्निप्राक्षी', 'खामोशी: द मिमिक्सशी', 'यशवंत', 'अब तक छप्पन' और 'वेलकम' जैसी फिल्मों ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाया। 'प्रहारा' में उन्होंने अनुशासित सैनिक की भूमिका निभाई, तो 'तिरंगा' में उनका पुलिस अधिकारी वाला अंदाज़ दर्शकों को खूब पसंद आया। 'अग्निप्राक्षी' में उन्होंने एक जुनूनी और अस्थिर पति का जटिल चरित्र निभाया। वहीं 'खामोशी: द म्यूजिकल' में मूक-

बधिर पिता जोसेफ के रूप में उनका भावनात्मक अभिनय दर्शकों के दिलों को छू गया।

'क्रांतिवीर' के संवाद बने पहचान

1994 में आई फिल्म 'क्रांतिवीर' नाना पाटेकर के कैरियर की सबसे चर्चित फिल्मों में गिनी जाती है। इसमें प्रताप नारायण तिलक के रूप में उन्होंने व्यवस्था, भ्रष्टाचार और सामाजिक विसंगतियों के विरुद्ध आवाज उठाने वाले व्यक्ति का किरदार निभाया। फिल्म में उनके संवादों ने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनका बोलने का अंदाज़ केवल शब्दों का उच्चारण नहीं था, बल्कि उनके गंभीर, पीड़ा, सवाल और चुनौती सब कुछ शामिल होता था। उनके संवादों में मौजूद आक्रामकता किरदार की मानसिक अवस्था से निकलती थी, इसलिए वे बनवावू नहीं लगते थे। 'सी में से अस्सी बेईमान, फिर भी मेरा भारत महान' और 'ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून...' जैसे संवाद उनकी लोकप्रियता के प्रतीक बन गए। 'यशवंत' का 'एक मच्छर...' वाला संवाद भी लंबे समय तक लोगों की जुबान पर रहा। नाना की संवाद अदायगी की खासियत यह थी कि वह ऊँची आवाज में बोलने भर से प्रभाव पैदा नहीं करते थे।



विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम: डॉ. मनसुख मांडविया

युवाओं को अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता और सोशल मीडिया का उपयोग राष्ट्रहित तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करना चाहिए

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद अहम है। देश की युवा शक्ति अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता, प्रतिभा और नवाचार के माध्यम से भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। युवाओं को अपनी क्षमताओं का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए भी करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति अभियान से जुड़ने, सोशल मीडिया का रचनात्मक उपयोग करने तथा राष्ट्रसेवा को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का आह्वान

किया। शनिवार को वाराणसी स्थित स्वतंत्रता भवन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माई भारत) की ओर से आयोजित माई भारत युवा सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री ने ये बातें कहीं। ह्ययुवा फॉर विकसित भारतह्ह विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, भारतीय क्रिकेटर ध्रुव जुरेल और फिल्म निर्देशक डॉ. विशाल चतुवेर्दी सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान युवा नेतृत्वकताओं, खिलाड़ियों, सामग्री निमातांओं और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा एवं उपलब्धियों से पहचान बनाने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना,



उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

डॉ. मनसुख मांडविया ने नई पीढ़ी का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं के जीवन में अनुशासन, राष्ट्र प्रथम

की भावना, रचनात्मकता और दूसरों के प्रति सम्मान का विशेष महत्व है। आज की युवा पीढ़ी तकनीक और डिजिटल माध्यमों से गहराई से जुड़ी हुई है। ऐसे में उसे अपनी डिजिटल पहुंच और प्रभाव का इस्तेमाल समाज

युवा नेतृत्व, नवाचार और रोजगार सृजन पर जोर

सम्मेलन में युवा नेतृत्व, खेल एवं फिटनेस, उद्यमिता, नवाचार, रोजगार सृजन, डिजिटल माध्यमों से सकारात्मक सामाजिक प्रभाव, संस्कृति, विरासत और सामुदायिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोर दिया गया। इन विषयों के माध्यम से युवाओं को अपने कोशल को विकसित करने, नए अवसरों की पहचान करने और समाज की जरूरतों के अनुरूप काम करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने युवाओं की सक्रिय भागीदारी को देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय कला और सांस्कृतिक विविधता को भी प्रदर्शित किया गया। इन प्रस्तुतियों ने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के महत्व को रेखांकित किया। सम्मेलन के दौरान युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने, देश की विरासत पर गर्व करने और आधुनिक अवसरों का लाभ उठाते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया।

में जागरूकता बढ़ाने तथा सकारात्मक विचारों को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग केवल लोकप्रियता हासिल करने या मनोरंजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसके

माध्यम से देश की उपलब्धियों, सामाजिक समस्याओं और राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी लोगों को जागरूक किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से अपने व्यवहार और कार्यों में जिम्मेदारी,

अनुशासन तथा देश के प्रति समर्पण की भावना अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनके विचार, कार्यशैली तथा निर्णय भारत के भविष्य को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यदि युवा अपनी रचनात्मकता को सही दिशा दें और सामाजिक हितों को प्राथमिकता दें, तो देश में व्यापक सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश को नशे की समस्या से मुक्त बनाना आवश्यक है। नशा युवाओं की क्षमताओं, स्वास्थ्य और भविष्य को

प्रभावित करता है। इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत है। इस दिशा में युवा अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता का उपयोग करके महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। डॉ. मांडविया ने नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए नुक्कड़ नाटक, लोक कलाओं और अन्य रचनात्मक माध्यमों के उपयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ऐसे माध्यम अपनाने चाहिए, जिनसे समाज के विभिन्न वर्गों तक आसानी से पहुंचा जा सके। युवाओं को मेरा युवा भारत अभियान से जुड़कर नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए और अपने आसपास सकारात्मक वातावरण बनाने का प्रयास करना चाहिए।

प्रभु श्रीराम एवं माता जानकी के विवाह का साक्षी बना डिबाई

नगर में धूमधाम के साथ निकली प्रभु श्रीराम सहित चारों भाइयों की बारात

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। श्रीराम लीला महोत्सव 2026 के उपलक्ष्य में मयादां पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के दिव्य लीलाओं का मंचन श्रीराम लीला मैदान में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें कुछ लीलाएं नगर में शोभायात्रा के रूप में प्रदर्शित की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को प्रभु श्रीराम, भ्राता भरत, लक्ष्मण तथा अनुज शत्रुघ्न के शुभ विवाह की लीला के आयोजन स्वरूप चारों भाइयों की दिव्य एवं भव्य बारात का डिबाई में भ्रमण कराया गया। जिसका शुभारम्भ विधानसभा डिबाई की जनप्रिय भाजपा नेत्री खुशबू सिंह द्वारा फीता काट कर तथा प्रभु श्रीराम एवं शेष सभी भाइयों की आरती के साथ किया गया। ज्ञात हो कि 6 अक्तूबर से डिबाई के श्रीरामलीला मैदान में लगातार प्रभु श्रीराम की लीलाओं का मंचन जारी



है। जिसमें शुक्रवार की देर रात्रि को जहां एक ओर जनकपुरी में राजा जनक द्वारा आयोजित किए गए माता जानकी के स्वयंवर में प्रभु श्रीराम द्वारा भगवान माहादेव के धनुष के भंजन करके माता जानकी को वरण करने की लीला का मंचन किया गया तो वहीं शनिवार को नगर के मंडी गेट से आरम्भ की गई भगवान श्रीराम चन्द्र जी की बारात को शोभायात्रा के रूप में महादेव चौराहा, पैंट चौराहा, होलीगेट, बड़ा बाजार, घंटाघर छोटा

बाजार, मौहल्ला चौक दुर्गा प्रसाद से होते हुए समूचे नगर में भ्रमण कराया गया। जिसमें दर्जनों देवी देवताओं के स्वरूप झाकियों के अलावा दूर दराज से आए चट्टा मंडल के कलाकारों ने भी अपनी प्रतिभा और आभा से समूचे नगर को मंत्रमुग्ध कर दिया। नगर के मुख्य बाजारों को प्रतिष्ठित व्यापारियों से सजाया गया तो वहीं नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष कायम गाजी ने नगर के आजाद पार्क पर लड्डूवितरण कर बारात का स्वागत किया। तो वहीं



नगर के प्रमुख समाजसेवी अनिल गोस्वामी उर्फ बिट्टू जोगी द्वारा नगर के महादेव चौराहे स्थित कुमार इलेक्ट्रॉनिक्स पर फूल मालाओं और जलपान से प्रभु श्रीराम बारात का भव्य स्वागत किया। धनुषयज्ञ लीला के मंचन के दौरान भाजपा नेत्री खुशबू सिंह ने भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों की आरती करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। जहां मंच संचालन बतौर उद्घोषक महेश गुप्ता, समीर गौतम तथा दीपक गुप्ता चटपटी

ने किया। लीला में पहुंची खुशबू सिंह का स्वागत श्रीराम लीला जहाजसेव के आयोजक मंडल ने पटके पहना कर किया जिनमें महामंत्री कमल वर्मा, विनय शर्मा, मयूर वाघ्णैय, विनीत वाघ्णैय के अलावा कोषाध्यक्ष आदर्श शर्मा उर्फ पोपी पंडित, पंकज ठाकुर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं शनिवार को श्रीराम बारात का शुभारंभ भी खुशबू सिंह तथा उनके विशेष सहयोगी गोविंद सिंह तथा उनकी टीम के द्वारा किया गया।

बुलंदशहर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने शनिवार को नगर पंचायत नरौरा द्वारा संचालित गौशाला का स्थलीय निरीक्षण कर गोवंशों के भरण-पोषण, स्वास्थ्य और देखरेख के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोवंशों की उचित देखभाल और गौशाला में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि गौशाला में करीब 397 गोवंश संरक्षित हैं। इनमें दूध देने वाले नौ गोवंशों को अलग रखा गया है। गोवंश संरक्षण सहभागिता योजना के तहत भी लोगों को गोवंश दिए गए हैं, जिनका समय-समय पर सत्यान किया जाता है। गौशाला में देखरेख के लिए आठ गौ-सेवक, एक केअरटेकर और एक चौकीदार तैनात हैं। अधिकारियों ने बताया कि गौशाला में पर्याप्त मात्रा में भूसा उपलब्ध है और



प्रतिदिन हरे चारे की व्यवस्था की जाती है। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी अरविंद मिश्रा को भूसा दान कराने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को भी कहा। डीएम ने मौके पर मौजूद पशु चिकित्साधिकारी से गोवंशों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने सभी गोवंशों की ईयर टैगिंग कराने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करने और

आवश्यकता के अनुसार उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि बीमार गोवंशों को अलग टीन शेड में रखकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया जाता है। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधंक्षक दिनेश कुमार सिंह, तहसीलदार सरिता, अधिशासी अधिकारी अरविंद मिश्रा, पशु चिकित्साधिकारी सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

युवा सेवा समिति की ओर से देवेंद्र गुर्जर और योगेंद्र तोमर का जन्मदिन मनाया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। किठौर विधानसभा क्षेत्र में युवा सेवा समिति की ओर से देवेंद्र गुर्जर, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, एवं योगेंद्र तोमर, पूर्व मंडल अध्यक्ष सिसौली, के जन्मदिन के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गढ़ रोड स्थित सिसौली के वीनस

गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने शिरकत कर दोनों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद विजय पाल तोमर और किसान मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश के भंवर सिंह तोमर सहित किठौर विधानसभा के हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। इस दौरान

राज्यसभा सांसद विजय पाल तोमर ने देवेंद्र गुर्जर की पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दोनों के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। आयोजन युवा सेवा समिति की ओर से किया गया था। कार्यक्रम में आपसी मेलजोल और सम्मान की परंपरा देखने को मिली।

दिल्ली पुलिस को सलाम वर्दी के पीछे भी एक इंसान, जिसका परिवार और जिम्मेदारियां हैं: डॉ जावेद फारूकी

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी आपात स्थिति में लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहना दिल्ली पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल है। जब आम नागरिक अपने घरों में परिवार के साथ समय बिताते हैं, तब भी अनेक पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पर तैनात रहकर दूसरों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। त्योहार हों, भीड़भाड़ वाले आयोजन हों, विरोध-प्रदर्शन हों या कोई आपातकालीन परिस्थिति—पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी अक्सर सामान्य कार्यदिवस से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। हम अक्सर पुलिसकर्मियों को उनकी वर्दी और जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं, लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि वर्दी पहनने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ भावनाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां और निजी जीवन भी लेकर चलता है।

किसी पुलिसकर्मी के घर पर भी माता-पिता, पत्नी, बच्चे और अन्य परिजन उसका ईंजजार करते हैं। उसके परिवार को भी उसकी चिंता होती है, लेकिन जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हुए कई बार उसे अपने व्यक्तिगत समय और खुशियों का त्याग करना पड़ता है। ड्यूटी के दौरान तनाव, लंबे कार्य घंटे, भीड़ का दबाव और अप्रत्याशित परिस्थितियां पुलिसकर्मियों के सामने बड़ी चुनौतियां पेश करती हैं। ऐसे में उनके कार्य के प्रति सम्मान और उनकी मानवीय संवेदनाओं को समझना समाज की जिम्मेदारी भी है।

जनता की सुरक्षा, पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी

दिल्ली जैसे महानगर में पुलिस की भूमिका केवल अपराध रोकने तक सीमित नहीं है। यातायात व्यवस्था संभालना, लापता लोगों की तलाश में सहायता करना, संकट में फंसे नागरिकों की मदद करना, संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बनाए रखना और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान



व्यवस्था सुनिश्चित करना भी पुलिस के काम का हिस्सा है। किसी दुर्घटना या आपात स्थिति में पुलिसकर्मी कई बार सबसे पहले सहायता पहुंचाने वालों में शामिल होते हैं। उनके काम की सराहना करना और जरूरत पड़ने पर उनके साथ सहयोग करना एक जिम्मेदार नागरिक होने की पहचान है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन नागरिकों का महत्वपूर्ण अधिकार है। नागरिकों को अपनी मांगें रखने और सरकार या संवैधानिक संस्थाओं के प्रति

असहमति व्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए। वहीं, ऐसे आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी है। चाहे किसी मुद्दे पर प्रदर्शन हो या किसी सरकारी फैसले के खिलाफ नाराजगी, पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज, धमकी या हिंसा को उचित नहीं ठहराया जा सकता। असहमति को व्यक्त करने के लिए संवाद और शांतिपूर्ण तरीके अपनाए जा चाहिए। इसी प्रकार पुलिस प्रशासन से भी अपेक्षा की जाती है कि वह प्रत्येक परिस्थिति में संयम, निष्पक्षता और कानून के अनुरूप कार्रवाई करे। नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा—दोनों लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत होने से कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलती है। यदि नागरिक पुलिस का सहयोग करें, कानून का पालन करें और किसी घटना की जानकारी समय पर संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं, तो इससे पूरी व्यवस्था को लाभ मिलता है।

पुलिसकर्मियों के अच्छे कार्यों की सराहना होनी चाहिए और जहां किसी कार्रवाई पर सवाल हों, वहां निष्पक्ष जांच तथा जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। सम्मान और जवाबदेही एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि भरोसेमंद व्यवस्था के दो महत्वपूर्ण आधार हैं। डॉ. जावेद फारूकी का संदेश: पुलिस का सम्मान करें, मानवता को प्राथमिकता दें।

दिल्ली पुलिस के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए डॉ. जावेद फारूकी का संदेश है कि हमें वर्दी के पीछे छिपे इंसान को भी देखना चाहिए। पुलिसकर्मी भी हमारे समाज का हिस्सा हैं। वे भी अपने परिवारों से दूर रहकर कई बार कठिन परिस्थितियों में जनता की सेवा करते हैं। उनके समर्पण का सम्मान करना, उनके साथ मर्यादित व्यवहार करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग देना हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। साथ ही, पुलिस प्रशासन को भी जनता के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह बने रहना चाहिए।

डीपीएस वाराणसी में गीता ज्ञान एवं श्लोक गायन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन, सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया भाग

गीता के ज्ञान से संस्कारवान बनेगी नई पीढ़ी, जीवन प्रबंधन का विज्ञान समझेगे विद्यार्थी: अखिलेश कुमार राय

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और जीवन प्रबंधन के शाश्वत संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) वाराणसी में महामना मालवीय मिशन (बीएचयू) एवं महामना संस्कार पुस्तकालय, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में गीता ज्ञान प्रतियोगिता एवं गीता श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा तीन से आठ तक के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कारों और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक अखिलेश कुमार राय द्वारा रचित वंदना गीत ‘जय जय महामना भारत रतन, गीता के ज्ञान से करें वंदन’



से हुआ। कार्यक्रम का संचालन संस्कृताचार्य सदाशिव तिवारी एवं अध्यापिका प्रज्ञा शुक्ला ने किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का सस्वर एवं भावपूर्ण गायन किया, जिसे सुनकर उपस्थित अतिथि और शिक्षक मंत्रमुग्ध हो गए।

विद्यालय की चेतना विंग की समन्वयिका सुनिपा सान्याल ने

विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की गीता के प्रति रुचि इस प्रतियोगिता की सफलता को दर्शाती है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ उनके नैतिक विकास, चरित्र निर्माण और संस्कारों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक



डिजिटल युग में बच्चों को जीवन के स्थायी मूल्यों से परिचित कराना विशेष रूप से आवश्यक है। मुख्य अतिथि अखिलेश कुमार राय ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को समझने, चुनौतियों का सामना करने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने की प्रेरणा देने वाला जीवन प्रबंधन का विज्ञान

है। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष प्रतियोगिता की थीम ‘जीवन प्रबंधन का विज्ञान’ रखी गई है। ओमान के स्वास्थ्य मंत्रालय में मुख्य फार्मासिस्ट अधिकारी के पद पर कार्यरत राय ने कहा कि ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति के साथ चरित्र, संवेदनशीलता और नैतिकता का समन्वय भी आवश्यक है। उन्होंने कहा

कि गीता के संदेश यदि बच्चों के जीवन में संस्कार और आत्मबल के रूप में विकसित हों, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने वाले जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। गीता के विचार विद्यार्थियों को आंतरिक रूप से सशक्त बनाने के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने ह्वाएक भारत, श्रेष्ठ भारत, विकसित भारतह्ह

के संकल्प को साकार करने के लिए नई पीढ़ी में नैतिक चेतना और राष्ट्र भावना विकसित करने पर जोर दिया। महामना पंडित मदन मालवीय की शैक्षिक दृष्टि का उल्लेख करते हुए राय ने कहा कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना मालवीय विद्यार्थियों को गीता के स्वाध्याय के लिए प्रेरित करते थे। उनकी विचारधारा से प्रेरणा लेकर गीता के ज्ञान को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में वाराणसी के 100 विद्यालयों में गीता ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना बनाई गई है। अब तक 85 विद्यालय इसके लिए पंजीकरण करा चुके हैं। इस अभियान का शुभारंभ गांधी जयंती से किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त सहायक कुलसचिव डॉ. नरेश चंद्र पांडेय उपस्थित रहे। विद्यालय

की प्रधानाचार्या मुनमुन सेन गुप्ता, उपप्रधानाचार्या रोली मनखंड, जिज्ञासा विंग की समन्वयिका प्रियंका रॉय चौधरी तथा सह-शैक्षणिक गतिविधि प्रमुख काकुली मुखर्जी सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इस पहल की सराहना की। अखिलेश कुमार राय ने विद्यालय प्रशासन, प्रधानाचार्या, समन्वयिकाओं, संस्कृताचार्य सदाशिव तिवारी और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने संदेश दिया कि गीता का अध्ययन केवल श्लोकों को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके जीवनोपयोगी विचारों को व्यवहार में उतारना ही उसकी वास्तविक सार्थकता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नैतिकता और सांस्कृतिक चेतना विकसित करने के साथ-उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।



आर.के.जी. ग्लोबल स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ग्रैंडपेरेंट्स डे

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आर.के.जी. ग्लोबल स्कूल में ग्रैंडपेरेंट्स डे का आयोजन बड़े ही उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की वाइस चैयरपर्सन श्रीमती आँचल गोयल के प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने दादा-दादी एवं नाना-नानी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे बच्चों के जीवन में प्रेम, संस्कार, मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग का अमूल्य स्रोत हैं।

इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अपने बड़ों के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की भावना



को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के साथ अपने स्नेह को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना था। इस अवसर पर नन्हे-

मुन्हे बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को खुशनुमा और

आनंदमय बना दिया। इस आयोजन ने पारिवारिक मूल्यों, भारतीय संस्कारों तथा पीढ़ियों के बीच मजबूत रिश्तों के महत्व को खूबसूरती से उजागर किया।

धूमधाम से मनाएगा जाएगा 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोडीनगर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य संगठन मोदीनगर द्वारा महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव समारोह 11 अक्टूबर, रविवार को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव समारोह के माध्यम से समाज को एकता और सामाजिक समृद्धि का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में वैश्य समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे।



इस दौरान महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और उनके बताए सामाजिक समस्याओं, सहयोग एवं समानता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया जाएगा।

सत्येंद्र गुप्ता ने समाज के लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता ही सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। कार्यक्रम को लेकर संगठनकार्यकर्ताओं द्वारा जोर-जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों के अनुसार समारोह में समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संरक्षक राकेश गोयल, चेयरमैन अमित गोयल, अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता, महामंत्री डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग तथा कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी जी जान से जुटे हैं।

दीनदयाल हस्तकला संकुल वाराणसी में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन, 800 लोगों की रही सहभागिता



वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की पहल एवं 'मेरा शहर' के संयुक्त तत्वावधान में दीनदयाल हस्तकला संकुल (टीएफसी) वाराणसी में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने किया इस अवसर पर टीएफसी के सहायक निदेशक प्रद्युम्न पांडेय ने उनका स्वागत किया कार्यक्रम में लगभग 700- 800 लोगों की उपस्थिति रही। सांस्कृतिक संध्या में कथक, सितार वादन, रैप, हिप-हॉप, लोकनृत्य, शायरी एवं संगीत की विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध

किया। 'धुन-ए-बनारस' बैंड ने गजल, भजन एवं बॉलीवुड फ्यूजन के माध्यम से काशी की समृद्ध संगीत विरासत को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कला, संस्कृति, शिक्षा, समाज एवं मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। 'मेरा शहर' की संस्थापक सुश्री सोनल उपाध्याय एवं सुश्री साक्षी मिश्रा के प्रयासों से आयोजित इस पहल का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों को मंच, पहचान एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। कलाकारों की सहभागिता निशुल्क रखी गई ताकि आर्थिक सीमाएं उनकी प्रतिभा के मार्ग में बाधा न बनें।

रामलीला मैदान की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की पैनी नजर, एसीपी उपासना पांडे ने किया निरीक्षण



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। रामलीला के दौरान श्रद्धालुओं और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क है। शनिवार, 10 अक्टूबर को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पांडे

ने पुलिस टीम के साथ थाना कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित रामलीला मैदान का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रामलीला देखने आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े इंतजामों का निरीक्षण किया।



एसीपी ने द्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रामलीला के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी से द्यूटी करें। साथ ही भीड़ को व्यवस्थित रखने और महिलाओं सहित

सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य रामलीला में आने वाले लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

कनावनी के किसानों का 58वें दिन भी धरना जारी, बोले- किसी कीमत पर नहीं देंगे जमीन



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी के किसानों का अपनी मांगों को लेकर धरना शनिवार को 58वें दिन भी जारी रहा। समाधान नहीं निकलने से किसानों में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के खिलाफ भारी नाराजगी है।

धरने के नेतृत्व कर रहे अशोक कसाना और परवीन नागर ने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद प्राधिकरण अर्वाइड बनाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और एडीएम भू-अर्जन के खिलाफ अवमानना के

नोटिस जारी होने के बाद भी किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। किसानों की मांग है कि जमीन से जुड़े मामले का न्यायपूर्ण समाधान किया जाए और राजस्व अभिलेखों में उनके नाम बहाल किए जाएं। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होगा, धरना जारी रहेगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। धरने में रामपत सिंह नागर, कैलाश नागर, श्रीचंद नागर, सतीश नागर, महाराज सिंह नागर, कुलदीप अधाना, अमित कसाना और रोहित नागर सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर में दिनेश कुमार गोयल एमएलसी प्रत्याशी ने किया चुनावी प्रचार-प्रसार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद गौतमबुद्ध नगर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित एम.एल.सी स्नातक निर्वाचन की कामकाजी बैठक में सम्मिलित होकर आगामी 23 अक्टूबर 2026 को होने वाले मतदान की तैयारियों एवं संगठनात्मक कार्ययोजना पर चर्चा की।

बैठक में जिला महामंत्री वीरेंद्र भाटी, जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, पश्चिम क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य राजे कसाना, जिला उपाध्यक्ष पवन नागर, जिला उपाध्यक्ष अरुण शर्मा, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा राज नागर, जिला संयोजक संदीप शर्मा, विधानसभा संयोजक शक्ति रावल रावत एवं जिला सह-संयोजक नरेंद्र नागर सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित



रहे। साथ ही गौतमबुद्धनगर में संतोष कुमार सिंह, दनकोर स्थित बिहारी लाल इंटर कॉलेज में स्नातक चुनाव पर चर्चा की गयी। साथ ही नोएडा महानगर भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष महेश चौहान जी के नेतृत्व में कामकाजी बैठक हुई व जेवर विधानसभा, दादरी विधानसभा, नोएडा विधानसभा में

पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अधिक से अधिक वोट डलवाने की रणनीति तैयार की गयी। जिसमें सभी का संकल्प है कि प्रत्येक स्नातक मतदाता तक पहुंचकर उन्हें मतदान के प्रति जागरूक करें तथा 23 अक्टूबर को अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें।

शिव बाड़ा मंदिर बेगमाबाद में सुंदरकांड का किया गया आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिव बाड़ा मंदिर बेगमाबाद में शनिवार को सुंदरकांड का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों भक्त जनों ने धर्म लाभ प्राप्त किया। सुंदरकांड के बाद प्रसाद वितरण किया गया। न्याय के देवता, कर्म के दाता, भक्तों के पालनहार भगवान शनिदेव की असीम कृपा एवं आशीर्वाद से शिव बाड़ा मंदिर में श्री शनिदेव प्रतिमा (शिला) का निर्माण

कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होने के शुभ अवसर पर राजीव कुमार और उनकी पार्टी द्वारा बड़ी भाव भक्ति के साथ सुंदर कांड पाठ किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों भक्त जनों ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। धार्मिक कार्यक्रम में देवदास, पंडित शिवमोहन पत्रकार राकेश शर्मा, जैन स्वदेश जैन सतीश जैन योगेंद्र जैन पवन जैन अरुण जैन विनोद शर्मा चंद्रशेखर विनोद आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

शिवा सहरावत की घातक गेंदबाजी से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने बीएस क्रिकेट क्लब को 4 रन से हराया



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब और बीएस क्रिकेट क्लब के बीच खेले गए मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने रोमांचक जीत दर्ज की। शिवा सहरावत की शानदार गेंदबाजी की बदौलत फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने बीएस क्रिकेट क्लब को 4 रन से पराजित किया। शानदार प्रदर्शन के लिए शिवा सहरावत

को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 40 ओवर में 191 रन बनाए। टीम की ओर से विराज बलियान ने 42 रन, दिव्यांश शर्मा ने 37 रन, दर्श त्यागी ने 22 रन और रुद्र त्यागी ने 20 रन का योगदान दिया। बीएस क्रिकेट क्लब की ओर से अरुण कसाना और रुद्र यादव ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का

पीछा करने उतरी बीएस क्रिकेट क्लब की टीम फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की सधी हुई गेंदबाजी के सामने 187 रन पर ऑलआउट हो गई। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से शिवा सहरावत ने पांच विकेट झटककर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी, जबकि कर्तव्य शर्मा ने तीन विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई। इस तरह फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने चार रन से रोमांचक जीत अपने नाम की।

अमरा खैरा नट बस्ती में उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट की पहल, बच्चों को शिक्षा के प्रति किया जागरूक

बच्चों को कपड़े वितरित कर महिलाओं की समस्याएं सुनीं, शौचालय और स्नान की व्यवस्था कराने की दिशा में होगा प्रयास

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट की ओर से अमरा खैरा नट बस्ती में बच्चों और महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बस्ती के लोगों की समस्याओं को समझना, बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना तथा महिलाओं की बुनियादी जरूरतों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करना रहा। इस दौरान बच्चों को कपड़े वितरित किए गए और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय जाने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया वहीं बस्ती की महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। कार्यक्रम में डब्ल्यू.एच.स्मिथ मेमोरियल स्कूल



वाराणसी की प्रधानाचार्य डॉ. अनीता डे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। उनके साथ प्रदीप कुमार डे, आकाश बोरा, रोटरी क्लब वाराणसी साउथ के मनीष राज, एल-वन कोचिंग के निदेशक बृजेश कुमार सिंह, अंबर कुमार तथा अमरा खैरा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक सलीम बक्शी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा और रचनात्मक

गतिविधियों से बढ़ाया बच्चों का उत्साह

मुख्य अतिथि डॉ. अनीता डे ने बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से बच्चे अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं और बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को जोड़, घटाव, गुणा और भाग जैसी गणितीय क्रियाओं के दैनिक जीवन में उपयोग के बारे में भी सरल तरीके से



समझाया। वहीं एल-वन कोचिंग के निदेशक बृजेश कुमार सिंह ने बच्चों से पहाड़े, वर्ष के महिनो तथा सप्ताह के दिनों के नाम पूछकर उनकी शैक्षणिक जानकारी का आकलन किया। बच्चों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना परिचय दिया और विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने नृत्य और गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। कुछ बच्चों ने मिट्टी से भगवान शिव की मूर्ति बनाई जबकि

अन्य बच्चों ने फूलों और पतियों की सहायता से आकर्षक गुलदस्ते तैयार किए। बच्चों की रचनात्मकता, प्रतिभा और उत्साह को देखकर अतिथियों ने उनकी सराहना की तथा उनका मनोबल बढ़ाया। बच्चों को शिक्षा के प्रति और अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ट्रस्ट की ओर से प्रतिभाशाली एवं चर्यानित बच्चों को स्कूल बैग उपलब्ध करने की योजना भी बनाई गई ताकि उन्हें नियमित पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री मिल सके और

शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़े। **महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए पहल**

कार्यक्रम के दूसरे चरण में बस्ती की महिलाओं से संवाद किया गया। इस दौरान महिलाओं ने खुले में शौच करने तथा नहाने के लिए उचित और सुरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होने जैसी गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए बस्ती में शौचालय और स्नान की समुचित व्यवस्था कराने की दिशा में आवश्यक प्रयास करने पर जोर दिया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने बस्ती के अन्य लोगों से भी बातचीत कर उनकी जरूरतों और परेशानियों की जानकारी ली ताकि भविष्य में संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उचित कदम उठाए जा सकें।

गैस पाइपलाइन का अधूरा काम छोड़ने से बढ़ी परेशानी, सड़क की मरम्मत नहीं होने पर भड़के स्थानीय लोग



वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। शहर में गेल कंपनी की ओर से गैस पाइपलाइन योजना के तहत घर-घर गैस कनेक्शन पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य कराया जा रहा है। वहीं भोजवौर स्थित आकांक्षा हॉस्पिटल के सामने सरसीली वार्ड की हरिजन बस्ती में गैस पाइपलाइन का कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने और सड़क की मरम्मत नहीं कराए जाने से स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर बस्ती की महिलाओं और पुरुषों ने

संबंधित कार्यदायी संस्था के प्रति नाराजगी जताई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गैस पाइपलाइन बिछाने के दौरान गली में लगे चौके उखाड़ दिए गए, लेकिन काम पूरा करने के बाद सड़क को पूर्ण की स्थिति में नहीं बनाया गया इसके कारण गली में आवागमन करने में लोगों को दिक्कत हो रही है। उनका कहना है कि बस्ती के लोग पहले से ही कभी सीवर तो कभी पानी की समस्या से परेशान रहते हैं अब गैस पाइपलाइन का अधूरा कार्य और उखाड़ी सड़क उनकी परेशानी को और बढ़ा रही है।

आईएसआई मार्का हेलमेट ही खरीदें, जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी: बीएल वर्मा

350 से अधिक बाइकर्स ने निकाली सुरक्षा रैली, विद्यार्थियों के लिए हेलमेट बैंक शुरू

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), गाजियाबाद शाखा की ओर से विश्व मानक दिवस पर एसआरएम विश्वविद्यालय, मोदीनगर में बीआईएस मानक कार्निवल 2026 का आयोजन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चालक जीवन की सुरक्षा के लिए आईएसआई मार्का वाला हेलमेट ही

**कपिल चौहान**

खरीदें। कार्यक्रम में 350 से अधिक बाइकर्स ने राइडर सेफ्टी रैली निकाली। रैली विश्वविद्यालय परिसर से दुहाई आरआरटीएस स्टेशन तक पहुंची। बाइकर्स ने हेलमेट पहनने और

**कपिल चौहान**

यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए हेलमेट बैंक का भी शुभारंभ किया गया। कार्निवल में 40 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से गुणवत्ता, भारतीय

**कपिल चौहान**

मानकों, बीआईएस प्रमाणन और हॉलमार्किंग की जानकारी दी गई। इस दौरान बीआईएस और एसआरएम विश्वविद्यालय के बीच गुणवत्ता एवं मानकीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने

**कपिल चौहान**

के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में सीआरपीएफ, उत्तर प्रदेश पुलिस, भारतीय सेना और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

श्रवण कुमार के माता-पिता ने राजा दशरथ को दिया पुत्र वियोग का श्राप

राजनगर रामलीला में भावुक हुआ श्रवण कुमार प्रसंग, चारों राजकुमारों के जन्म से अयोध्या में छाई खुशियां

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर स्थित श्री रामलीला समिति की रामलीला में प्रभु श्रीराम की लीलाओं का मंचन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। मंचन में श्रवण कुमार की कथा, राजा दशरथ को श्राप मिलने और चारों राजकुमारों के जन्म के प्रसंग ने दर्शकों को

भावुक कर दिया। श्रवण कुमार अपने माता-पिता को बहंगी में बैठाकर तीर्थयात्रा पर ले जा रहे थे। नदी से जल लेने के दौरान राजा दशरथ ने आवाज को जानवर समझकर तीर चला दिया, जिससे श्रवण कुमार की मृत्यु हो गई। पुत्र की मौत का समाचार सुनकर उनके माता-पिता ने राजा दशरथ को पुत्र वियोग में मृत्यु का श्राप दिया।

इसके बाद राजा दशरथ ने पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ कराया। उनके महल में राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म से खुशियां छा गईं। कुछ समय बाद चारों राजकुमार शिक्षा ग्रहण करने गुरु आश्रम पहुंचे। लीला देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान समिति के पदाधिकारी, सदस्य और राजनगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर केंटर सहित माल लेकर भागा आरोपी गिरफ्तार, 33 लोहे की प्लेट बरामद

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कविनगर पुलिस ने माल से भरे केंटर को लेकर फरार होने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 33 लोहे की प्लेट, यूपी-13-सीटी-2207 नंबर की दो नंबर प्लेट और घटना में इस्तेमाल केंटर (यूपी-16-जीटी-3699) बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 4 अक्टूबर 2026 को साउथ साइड कविनगर निवासी राजकुमार सचदेवा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने

सुभाष अभिषेक स्टील और सनी कटट से माल लोड कराकर गजरोला, जिला अमरोहा स्थित बालाजी एसोसिएट्स के लिए भेजा था। निर्धारित समय पर माल नहीं पहुंचने पर उन्होंने चालक दुर्वेश से संपर्क किया, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला। जांच में ट्रक पर लगी नंबर प्लेट फर्जी पाई गई। आरोप है कि चालक ट्रक और माल लेकर फरार हो गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर संदिग्धों की तलाश, जीआरपी और आरपीएफ ने संभाला मोर्चा

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को विपक्षी दलों द्वारा किए जा रहे धरना-प्रदर्शन के मद्देनजर रेलवे स्टेशन गाजियाबाद पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

सुरक्षा के दृष्टिगत राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त रूप से स्टेशन परिसर के अंदर और बाहर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस बल ने स्टेशन परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की

**कपिल चौहान**

जांच की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए फ्लैग मार्च भी किया गया। अधिकारियों का उद्देश्य रेलवे स्टेशन पर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा। प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क रहीं और स्टेशन परिसर में निगरानी बढ़ाई गई।

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर पुलिस विभाग ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शनिवार को पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय बलवंत कुमार चौधरी ने सभी थानों के सीनियर सीटीजन हेल्प डेस्क प्रभारियों के साथ गोष्ठी की।

**कपिल चौहान**

कराने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। डीसीपी ने निर्देश दिए कि वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता बरती जाए और उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभी हेल्प डेस्क प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहें और शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर पुलिस विभाग ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शनिवार को पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय बलवंत कुमार चौधरी ने सभी थानों के सीनियर सीटीजन हेल्प डेस्क प्रभारियों के साथ गोष्ठी की।

जंतर-मंतर प्रदर्शन से पहले यूपी गेट पर हंगामा, पिकी चौधरी के बेटे हर्ष चौधरी गिरफ्तार

**कपिल चौहान**

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर गाजियाबाद पुलिस अलर्ट है। यूपी गेट स्थित गाजीपुर बॉर्डर और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दिल्ली जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है।

इसी दौरान हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली कूच करने का प्रयास किया। पिकी चौधरी के पुत्र हर्ष चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता यूपी

**कपिल चौहान**

बॉर्डर पहुंचे और नारेबाजी की। पुलिस ने दिल्ली जाते समय हर्ष चौधरी को गिरफ्तार कर लिया तथा अन्य कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। हर्ष चौधरी ने कहा कि वे देश के जवानों पर हमला करने वालों को सबक सिखाने जा रहे थे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए

**कपिल चौहान**

कार्यकर्ताओं को वापस भेजने की कार्रवाई की। प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए सीमा क्षेत्र में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस का जोर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात सुचारु रखने पर है, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

फेसबुक के जरिए ठगी गई 4.83 लाख रुपये की रकम पुलिस ने पीड़िता को लौटाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वेब सिटी थाना साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी की शिकार महिला को 4 लाख 83 हजार रुपये की पूरी धनराशि वापस करा दी। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़िता को बड़ी राहत मिली है। पुलिस के अनुसार, मानसरोवर पार्क, लालकुआं निवासी शशिबाला ने 18 जुलाई 2026 को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने फेसबुक के माध्यम से 4.83 लाख रुपये की ठगी

**कपिल चौहान**

किए जाने की जानकारी दी थी। शिकायत मिलने के बाद वेब सिटी थाना साइबर सेल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंकों से संपर्क किया और ठगी की रकम को होल्ड करा दिया। पुलिस के निरंतर प्रयासों के बाद

**कपिल चौहान**

10 अक्टूबर 2026 को पीड़िता को ठगी गई पूरी धनराशि वापस करा दी गई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन लेनदेन करते समय सतर्क रहें और साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं।

गाजियाबाद में विद्युत पेंशनर्स परिषद का पांचवां वार्षिक सम्मेलन, वरिष्ठ पेंशनर्स हुए सम्मानित

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

गाजियाबाद। गाजियाबाद के राजनगर स्थित आर्य समाज मंदिर में विद्युत पेंशनर्स परिषद का पांचवां वार्षिक



सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष तेजवती ने की, जबकि संचालन जनपद सचिव एल.डी. शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।



इस अवसर पर 80 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पेंशनर्स को पुष्पमाला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में सदस्यों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। परिषद के



पदाधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी के.के. शर्मा ने ओ.पी. वेतवतिया को जनपद अध्यक्ष और एल.डी. शर्मा को जनपद सचिव



निर्वाचित घोषित किया। इसके साथ ही 12 सदस्यीय कार्यकारिणी भी निर्वाचन चुनी गई। सम्मेलन के समापन पर आयोजकों ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।